

डॉ. मार्व विल्सन, भविष्यवक्ता, सत्र 20, ओबद्याह, भाग 2, हबक्कूक

© 2024 मार्व विल्सन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. मार्व विल्सन द्वारा भविष्यवक्ताओं पर दी गई शिक्षा है। यह सत्र 20, ओबद्याह, भाग 2, और फिर हबक्कूक है।

ठीक है, मैं शुरू करने के लिए तैयार हूँ।

आइए हम प्रार्थना करें। हे पिता, जैसे-जैसे हम अध्ययन के इस सप्ताह के अंत में आ रहे हैं, हम आपसे शक्ति और ध्यान की माँग करते हैं, जिसकी हमें आज अपने काम को अच्छी तरह से करने और स्पष्ट रूप से सोचने के लिए आवश्यकता होगी। हम महसूस करते हैं कि हमारे पास बहुत ही गहन समय में बहुत सारा ज्ञान है।

हम जो सुन रहे हैं, उसे समझने की प्रक्रिया में हमारी मदद करें। हमें शाश्वत मूल्य की चीज़ों को बनाए रखने और गुज़रते धार्मिक सनक के बीच अंतर जानने में मदद करें। जब हम आपके वचन का अध्ययन करते हैं, तो उसे सही ढंग से समझने में हमारी मदद करें।

हम जानते हैं कि यह एक आजीवन प्रतिबद्धता है। हममें से प्रत्येक के भीतर आपने जो काम शुरू किया है, उसके लिए आपका धन्यवाद, और हम आज आपकी मदद के लिए प्रार्थना करते हैं, ताकि आज हम अपने जीवन में कुछ छोटी जीत हासिल कर सकें। जब हम अपना सिर तकिये पर रखेंगे, तो हमें अच्छा लगेगा।

हम शायद याकूब की तरह महसूस करेंगे। आप इस जगह पर थे, भले ही हम इसे पहचान भी न पाएं। मैं अपने प्रभु मसीह के माध्यम से यह प्रार्थना करता हूँ। आमीन।

ठीक है, मैं ओबद्याह की हमारी छोटी सी पुस्तक से कुछ बातों का सारांश देना चाहता हूँ और फिर हबक्कूक पर जाना चाहता हूँ। मैं आपको रब्बी हेरोल्ड कुशनर की पुस्तक, जब अच्छे लोगों के साथ बुरी चीज़ें होती हैं, पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ।

वह किताब आधुनिक दुनिया में एक ऐसे व्यक्ति द्वारा किया गया प्रयास है, जिसके साथ मेरा कुछ संपर्क रहा है। यह किताब तुरंत ही दुनिया भर में बेस्टसेलर बन गई, क्योंकि वह अपने बेटे आरोन की मौत से जूझ रहा था, जो 14 साल की उम्र में एक सिकुड़े हुए बूढ़े व्यक्ति के रूप में मर गया था। वह एक बहुत ही दुर्लभ बीमारी से मर गया, जो डॉक्टरों के अनुसार शायद आठ मिलियन लोगों में से एक को होती है, जिसे प्रोजेरिया कहा जाता है।

गेरास का मतलब ग्रीक में बूढ़ा या बुजुर्ग होता है। प्रोजेरिया का मतलब है बढ़ती उम्र, जिसमें आपका पूरा सिस्टम तेजी से काम करता है। यह एक बहुत ही चौंकाने वाला अनुभव था, जिसने रब्बी को यह सवाल पूछने पर मजबूर कर दिया कि जब आपका अपना किशोर बेटा इस तरह से

मरता है, तो आपका सवाल यह होता है कि मैंने क्या गलत किया? मैं ही क्यों? मेरा परिवार क्यों? भगवान कहाँ है? हमने प्रार्थना की।

अच्छे लोगों के साथ बुरी चीजें क्यों होती हैं, यह वह शीर्षक है जो उन्होंने सुझाया था। जबकि उस पुस्तक में कुछ धर्मशास्त्र है, वास्तव में, उस पुस्तक के धर्मशास्त्र का मूल आधार, मुझे आशा है कि आप इसे चुनौती देंगे क्योंकि इसे चुनौती देने की आवश्यकता है। फिर भी, उस पुस्तक में कई अंतर्दृष्टिपूर्ण पादरी बातें हैं जिनका आप प्रभावी रूप से उपयोग कर सकते हैं, इसके अलावा उन्होंने धर्मी लोगों के बीच बुराई की इस समस्या के बारे में कई सवाल उठाए हैं।

हबक्कूक का विषय यही है, जो ईश्वरवाद है - ईश्वर की उपस्थिति, ईश्वर की भलाई और न्याय एक मिश्रित दुनिया में। हम उस अच्छे और न्यायी और प्रेमपूर्ण और दयालु ईश्वर पर कैसे विश्वास कर सकते हैं जब सारा जीवन बिखरता हुआ प्रतीत होता है? और इससे भी अधिक, अगर हम ईश्वर के अपने लोग हैं तो हमें क्यों लात मारी जानी चाहिए? दूसरे व्यक्ति को क्यों नहीं? राष्ट्रीय स्तर पर, ईश्वर के लोग पुराने नियम के समय में यह प्रश्न पूछ रहे थे।

अय्यूब ने इसे व्यक्तिगत आधार पर पूछा, ईश्वरीय दर्शन का एक और संस्करण। हबक्कूक ने इसे राष्ट्र के लिए पूछा, जिसकी अपनी व्यक्तिगत समस्याएँ थीं, लेकिन उन्हें एक ऐसे राष्ट्र द्वारा क्यों न्याय किया जाना चाहिए जो उनसे अधिक पापी है? अर्थात्, हम 586 के लायक क्यों हैं? दूसरा व्यक्ति क्यों नहीं? ठीक है, तो मैं इस पर आगे काम करूँगा। ओबद्याह और कुछ सबक पर कुछ ढीले धागों को संक्षेप में प्रस्तुत करने के लिए, मैं ओबद्याह और हबक्कूक का परिचय, अंतिम भाग दूँगा।

जैसा कि हमने शुरूआती भाग में कहा था, ओबद्याह बहुत सुरक्षित, बहुत अभेद्य और ऊँचा महसूस करता था, जो अरबा के ठीक पूर्व में चट्टानों में स्थित था। फिर से, अरबा यह 90 मील की सूखी घाटी है। यदि आप यहाँ से इज़राइली पक्ष की ओर ड्राइव करते हैं, तो आप धरती में एक बड़ी खाई देख सकते हैं।

आप अपने मन में कल्पना कर सकते हैं कि मूल रूप से ग्लेशियरों के जमने से पहले, यह पूरी खाई पानी से जुड़ी हुई थी। गैलिली सागर में मछलियों की 43 प्रजातियाँ मौजूद हैं, जो दुनिया के किसी भी अन्य जल निकाय में इचिथोलॉजिस्टों को नहीं मिली हैं। और ऐसा लगता है कि जब यह सब जम गया और यहाँ यह खाई बनी, तो यह पृथ्वी के हृदय में एक बड़ी दरार थी।

हम इनमें से कुछ शानदार चट्टानी संरचनाएँ पाते हैं, विशेष रूप से, यहाँ के नक्शे पर यह स्थान जिसे सेला, सेला कहा जाता है, जो कि यहीं पर है। सेला। सेला हिब्रू शब्द है जिसका अर्थ है चट्टान या चट्टानी चट्टान, जो ग्रीक शब्द पेट्रा से आया है।

इसीलिए आज आप इसे पेट्रा के नाम से जानते हैं। तो, यह वह जगह है जहाँ एदोमी लोग रहते थे, अरबा के पूर्व में, मृत सागर के दक्षिण-पूर्व में। तो, यह इस क्षेत्र का स्थान है।

और यह अभिव्यक्ति, यद्यपि तुम एक उकाब की तरह उड़ते हो, यहाँ पद 4 में पाई जाती है, यद्यपि तुम भी अपना घोंसला तारों के बीच बनाते हो। तो, यहाँ कविता ऐसे लोगों का सुझाव देती है जो बहुत, बहुत सुरक्षित हैं। कोई भी हमें नीचे नहीं गिराने वाला है।

परमेश्वर कहता है कि मैं तुम्हें नीचे गिरा दूंगा। इसलिए, सर्वशक्तिमान के सामने राष्ट्रों का घमंड इस छोटी सी पुस्तक के विषयों में से एक है। शास्त्र में केवल एक ही व्यक्ति है जो अंतिम शब्द कहता है, और वह एदोम नहीं है।

और जो कोई जीवित परमेश्वर की अवहेलना करता है, परमेश्वर अंततः उसे नीचे गिरा देगा। तो, अभिमान का विषय एक है। फिर एदोम के विनाश के बाद एदोम के अभियोग में 5 से 9 तक चलने वाले छंदों में पूरा होना है, अगर लोग अंगूर चुराने जा रहे हैं, तो वे केवल उतना ही चुराएंगे जितना वे ले जा सकते हैं और कुछ छोड़ देंगे।

लेकिन आप ऐसे हैं जैसे लोग अंगूर चुनने के लिए आते हैं और वहां से हर आखिरी अंगूर को साफ कर देते हैं। तो, यह एक पूर्ण स्वीप है, जैसे कि ब्रूइन्स ने कल रात कनाडाई लोगों को 7-0 से हराया। यह बहुत बड़ी संख्या में पूर्णता थी, 7. कुल विनाश।

ठीक है, आपको धर्मशास्त्र के साथ थोड़ा खेल खेलने में कोई आपत्ति नहीं है। यह एक अच्छा मिश्रण है। ठीक है, तो एदोम का विनाश पूर्ण होना है।

यहाँ तक कि वे सहयोगी भी जिन पर वे निर्भर हो सकते हैं, वे लोग जिनके साथ वे रोटी खाते हैं, दोस्ती के लिए अलंकार। वे लोग जिन पर आप निर्भर हो सकते हैं। यहाँ तक कि वे भी उनके खिलाफ हो जाएंगे।

हमास, श्लोक 10, तुम्हारे भाई याकूब के साथ की गई हिंसा ही वह कारण है जिसके कारण तुम नष्ट हो जाओगे। क्योंकि तुम अलग खड़े रहे। हमारे होलोकॉस्ट बचे लोग अक्सर उन लोगों के बारे में बात करते हैं जो पीड़ित थे।

वे इन अपराधों के पीड़ितों या अपराधियों के बारे में भी बात करते हैं। लेकिन, वहाँ तमाशबीन भी हैं। और तमाशबीन लोग होलोकॉस्ट के बचे लोगों के लिए विशेष रूप से मुश्किल होते हैं।

जो लोग बुरे कामों को होते हुए चुपचाप खड़े होकर देखते रहे। और मुझे लगता है कि अगर आधुनिक दुनिया में हुए कई नरसंहारों से हमें कोई संदेश मिलता है, जिसमें अर्मेनियाई लोग भी शामिल हैं, हिटलर ने कहा, तो अर्मेनियाई लोगों को कौन याद रखता है? अब, अर्मेनियाई लोगों ने अपने डेढ़ लाख लोगों को खो दिया है। मेरी पत्नी आधी अर्मेनियाई है, और उसके परिवार में शहीद हैं।

जो लोग भागना नहीं चाहते थे, जिन्होंने अपने धर्म के लिए खड़े होने का फैसला किया। लेकिन जब हिटलर सत्ता में आया, तो अर्मेनियाई नरसंहार के सिर्फ 30 साल बाद। हिटलर कहता है, उन्हें कौन याद रखता है? और इसके परिणामस्वरूप उसने 11 मिलियन लोगों को मौत के घाट उतार दिया, 6 मिलियन यहूदी और 5 मिलियन गैर-यहूदी।

ओबद्याह का मामला यहाँ यह है कि अपने भाई के प्रति उदासीन मत रहो। जब तुम्हारा भाई मदद के लिए आगे आए, तो कुछ करो। बुराई के प्रति उदासीनता, अब्राहम जोशुआ हेशेल ने कहा, जो आपकी एक पाठ्यपुस्तक के लेखक हैं।

बुराई के प्रति उदासीनता बुराई से भी ज़्यादा घातक है। इसलिए, आप अलग-थलग खड़े रहे। यहाँ तक कि भजन संहिता में भी इस बात को बहुत सारे शब्दों में बताया गया है।

और यह भजन 137, श्लोक 7 है। याद रखें कि भजन की शुरुआत इस प्रकार होती है, बेबीलोन के जल के पास हम बैठ गए और सिख्योन को याद करके रो पड़े। श्लोक 7 में कहा गया है, हे प्रभु, यरूशलेम के दिन को याद करो, जब अम्मोनियों ने कहा था, इसे उठाओ, इसे इसकी नींव तक उठाओ। प्रतिशोध के लिए उनकी पुकार।

इसलिए, अलग खड़े रहो। और आयत 1, 2 से 1, 4. 12 से 14. तुम्हें अपने भाई पर गर्व नहीं करना चाहिए था और उसके पतन में भागीदार नहीं होना चाहिए था।

कुछ अन्य शब्द। हमने पेट्रा शब्द का इस्तेमाल किया है। नाबातियनों के उस विशेष क्षेत्र में आने के बाद इसे पेट्रा में बदल दिया गया।

हमने कहा कि एदोम का मतलब एसाव था। और आप समझ गए होंगे कि एसाव का मतलब एडमोनी है, हिब्रू पाठ में इसका मतलब सुर्ख लाल रंग का है। और प्राचीन कानों के लिए इसका मतलब एडमोनी और एदोम है।

वे एक जैसे लगते हैं। तो, एसाव एदोमियों का पिता है। मैंने यह भी बताया कि हेरोदेस एक इदुमी था।

और आप यहाँ यहूदा के दक्षिण में स्थित क्षेत्र को देखेंगे। और अगर आपको याद हो कि कौन सी जनजाति यहूदा के दक्षिण में बसी थी, और वास्तव में यहूदा द्वारा सम्मिलित की गई थी। याद है वह कौन सा था? उसका नाम पहली सदी में एक लड़के के लिए सबसे लोकप्रिय नाम बन गया।

अगर आप यहूदी होते। नहीं? करीब? शिमोन। अच्छा।

हाँ, यहोशू के अनुसार, शिमोन यहूदा के दक्षिण में बसा था। यहूदा, शक्तिशाली जनजाति बन गया, जिसने मूल रूप से शिमोन को अपने में समाहित कर लिया। लेकिन पहली सदी में 22% यहूदी बच्चों का नाम शिमोन था।

शिमोन, शिमोन, यह वही नाम है। हम इसे अस्थि-पेटियों से जानते हैं, जो पहली सदी के शिलालेखों में हड्डियों के बक्सों पर लिखे नाम हैं।

कब्र के शिलालेख और अन्य सामग्री। तो, यह एक बहुत ही आम नाम है। और यह वह क्षेत्र है जहाँ शिमोन बसा था।

इदुमिया के नाम से जाना जाने लगा। अब, एदोमी लोग दूसरी तरफ कैसे चले गए? बस कुछ और बातें। मैंने जिन एदोमी शहरों का जिक्र किया, उनमें से एक वह शहर था जहाँ से मीका आता है।

मोरेशेथ, या मोरेशेथ गथ जैसा कि इसे कभी-कभी कहा जाता है। या मोरेशेथ शब्द हिब्रू से ग्रीक में परिवर्तित होने के बाद, यह तेल-मारिसा बन गया। आप आज इस क्षेत्र में शेफेलाह में जाएँ, यह तेल-मारिसा है।

और उन गुफाओं में से बहुत सी गुफाओं में एडोमाइट या एडोमियन मिट्टी के बर्तन हैं। इससे यह प्रमाण मिलता है कि एदोमी लोग अरबा के पूर्व में नहीं रहे, बल्कि वे वास्तव में यहूदा के दक्षिण में इस क्षेत्र में चले गए। इसलिए, यह छोटी सी किताब, एक तरह से, 586 में दक्षिणी राज्य के पतन के अनुभव को दर्शाती है।

याकूबियों के साथ क्या किया। माउंट सेईर एदोम के मुख्य शहरों में से एक था। और बाइबल में एदोम के बारे में कई चर्चाओं में माउंट सेईर शब्द शामिल है।

अब मैं इनमें से कुछ अन्य शब्दों का उल्लेख करना चाहूँगा। मैंने नाबातियन का उल्लेख किया। मैंने इनका उल्लेख यहाँ तक किया है।

नाबातियन वे लोग थे जिन्होंने आकर इस भविष्यवाणी को पूरा किया और एदोमियों को बाहर निकाल दिया और उन्हें नीचे गिरा दिया। नाबातियन एक खानाबदोश अरब जनजाति थी जिसने 6वीं शताब्दी के अंत में या 5वीं शताब्दी में एदोम पर कब्ज़ा कर लिया था। और इसलिए, जो एदोमी मारे नहीं गए वे पूर्व की ओर चले गए।

वे यहूदा के दक्षिण में गुफाओं में रहते थे। और अंत में, जब 134-104 ईसा पूर्व में शासन करने वाले यहूदी राजा जॉन हिरकेनस का राज्य इस क्षेत्र में आया, और वह भूमि का विस्तार करना चाहता था और एदोमियों को शामिल करना चाहता था। इसलिए, उसने जबरन खतना का अभियान चलाया।

यहूदी लोगों के इतिहास में जबरन खतना का सबसे बड़ा उदाहरण हमारे पास है। इसलिए, यह मजबूरी थी, और उसने इन एदोमियों, इन इदुमियों को यहूदी कानून स्वीकार करने के लिए मजबूर करने की कोशिश की। इस तरह हेरोदेस महान का यह परिवार इदुमियन वंश से आया।

वे पूरी तरह से यहूदी नहीं थे। दूसरी शताब्दी के मध्य में मैकाबीन विद्रोह के दौरान, जूडस मैकाबीस, फिर से यहूदी धर्म के हेलेनाइजेशन के खिलाफ बहुत भावुक था। नहीं।

और इनमें से कई एदोमी बुतपरस्त सोच से प्रभावित थे। और इसलिए, वह आता है और उनमें से 20,000 को मार डालता है, लगभग 160। तो, ये देश के तख्तापलट के बाद की शताब्दियों में एदोमियों की कुछ घटनाएँ हैं।

कथा के बारे में कुछ अंतिम बातें। विशेष रूप से एदोम के विनाश और उसके विनाश के कारण, विशेष रूप से उसके अपने भाई के साथ सकारात्मक संबंध की कमी से निपटने के बाद, अब कैमरे का लेंस बहुत व्यापक हो जाता है। जो विशेष रूप से एदोमियों के लिए सच था, अब वह सभी राष्ट्रों के लिए सच होने जा रहा है।

हम भविष्यवक्ताओं में जो पाते हैं, वह यह है कि भविष्यवक्ताओं ने न्याय और उद्धार या मुक्ति या आशा दोनों को दो विषयों के रूप में जोड़ दिया है। वे एक को दूसरे के विरुद्ध खड़ा करते हैं। कुछ लोग भविष्यवक्ताओं को पसंद नहीं करते क्योंकि वे न्याय के बारे में बहुत अधिक बात करते हैं।

और फिर आप नया नियम खोलते हैं और आप पाते हैं कि अब तक के सबसे महान भविष्यवक्ता, यीशु, जो पॉल से भी ज़्यादा नरक और न्याय के बारे में बात करते हैं। लेकिन वह भविष्यवाणी परंपरा में ऐसा करते हैं। जब आप सुसमाचार पढ़ते हैं तो यीशु के कुछ बहुत ही कठोर और न्यायपूर्ण शब्द हैं।

अब सुसमाचारों की तरह, आप उन कठोर न्यायपूर्ण शब्दों से बच सकते हैं जब यीशु भविष्यवाणी करते हैं और इसे अपनी पीढ़ी के पापों के संदर्भ में उड़ा देते हैं। या आप यीशु के दयालु, कोमल, सौम्य, प्रेमपूर्ण, करुणामय शब्दों को ले सकते हैं और केवल उन्हीं का उपयोग कर सकते हैं। मैं कहता हूँ कि भविष्यवक्ता एक परीक्षण मामला है क्योंकि या तो आप पूरा एनचिलाडा लेते हैं या नहीं लेते हैं।

पुराने नियम में आपको ईश्वर का सुधारात्मक हाथ देखने को मिलता है, लेकिन शेमा हमें यह भी याद दिलाता है कि ईश्वर के लोगों का ईश्वर के साथ विश्वास-प्रेम का रिश्ता था, और उन्हें ईश्वर से अपने पूरे दिल, अपनी पूरी आत्मा और अपनी पूरी शक्ति से प्रेम करने के लिए बुलाया गया था। और भविष्यवक्ताओं ने समाज में हस्तक्षेप किया, फटकार लगाई। और जैसा कि हेशेल ने अपने शुरुआती अध्यायों में लिखा है, जब भविष्यवक्ता बोलते हैं, तो वे हमें झुगियों में ले जाते हैं, और वे इस तरह चिल्लाते हैं जैसे कि पूरी दुनिया एक झुगी हो।

हमारे लिए यह एक छोटी सी बात है, व्यापार में एक अपराध। भविष्यवक्ताओं के लिए, यह एक बहुत बड़ी आपदा है। और इसलिए भाषा चुभती है।

यह शक्तिशाली है। और जबकि यह एक ही समय में काव्यात्मक है, यह इसकी वास्तविकता से दूर नहीं करता है। तो, एक अर्थ में एदोम विशेष है और अब परमेश्वर कह रहा है कि सभी राष्ट्रों और पूरी दुनिया के पापों पर न्याय अंततः आ रहा है।

और इसलिए हम पद 15 में योम यहोवा के विषय पर वापस आते हैं। क्योंकि प्रभु का दिन सभी राष्ट्रों पर है। अब, वह पुस्तक के अंत में इस अधिक सार्वभौमिक विषय पर चर्चा करता है कि परमेश्वर सभी लोगों को उनके कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराएगा।

और इसलिए यहाँ निर्णय की अवधारणा स्थापित की गई है। उपाय के लिए उपाय। कार्रवाई के लिए मानवीय जिम्मेदारी।

वह राष्ट्रों से कहता है, जैसा तुमने किया है, वैसा ही तुम्हारे साथ भी किया जाएगा। पद 15. यीशु इस विषय पर भविष्यवाणी करते हैं।

अगर आप दूसरों को माफ नहीं करते, तो आपको भी माफ नहीं किया जाएगा। जैसा कि आपने प्रतिशोध के नियम का पालन किया है, और अगर आपने बुरा किया है, तो आपको बुराई ही मिलेगी।

इसका आधुनिक संस्करण सी.एस. लुईस है जो अपनी पुस्तक द ग्रेट डिवोर्स में कहते हैं, समय के अंत में केवल दो प्रकार के लोग होते हैं। और ईश्वर आपके द्वारा लिए गए निर्णयों से निर्धारित करता है कि आप उन दो प्रकार के लोगों में से कौन हैं। निर्णय भाग्य निर्धारित करता है।

और इसलिए जब आप लोगों द्वारा किए गए सभी विकल्पों को जोड़ते हैं, तो वे बताते हैं कि क्या उन्होंने अपने पूरे जीवन में यही कहा है, मेरी इच्छा पूरी हो, या फिर वे मूल रूप से यही कहते हैं, आपकी इच्छा पूरी हो। और इसलिए, निर्णय, एक तरह से, भाग्य का निर्धारण करता है। आपके कर्म आपके ही सिर पर लौटेंगे।

इसलिए, लुईस के लिए, लंबे समय तक किसी के चरित्र का रहस्योद्घाटन इस बात का परिणाम है कि वह अनंत काल कहाँ बिताता है। यदि आपने एक निश्चित तरीके से जीवन जिया है, तो आपके कर्म निश्चित रूप से आपके पास वापस आएंगे। जो धार्मिकता बोता है, वह धार्मिकता ही काटेगा।

तो, फिर वह कहता है, एसाव, एदोमी लोग मंदिर पर्वत पर मौज-मस्ती कर रहे थे, शराब पी रहे थे, अपने भाई की मृत्यु का जश्न मना रहे थे। वह भगवान के पवित्र पर्वत पर शराब पीने के उस उदाहरण का उपयोग एदोमियों के उस विशिष्ट उदाहरण और याकूब की मृत्यु पर उनके जश्न से आगे बढ़ने के लिए करता है कि सभी राष्ट्र उसी तरह होने जा रहे हैं। दुनिया भर के सभी राष्ट्र शराब पीने जा रहे हैं और इसके प्रभावों को महसूस करेंगे।

वे लड़खड़ाएँगे, और अगर आप चाहें तो वे अस्तित्वहीन हो जाएँगे। वे ऐसे होंगे जैसे कि वे थे ही नहीं। लेकिन अंत में भगवान वापस आकर केक को मीठा कर देते हैं।

और फिर, हम इसे भविष्यवक्ताओं के लिए बहुत आम देखते हैं। यशायाह 1-39, हम इस अवधि के उत्तरार्ध में यशायाह का अध्ययन करेंगे। न्याय।

यशायाह 40-66. सांत्वना, आशा, मुक्ति, छुटकारा। हमने इसे आमोस में देखा।

आमोस का अंत सकारात्मक था। हम घर आ रहे हैं। दाऊद का तम्बू फिर से स्थापित किया जाएगा।

हमने योएल के अंत में यह देखा। न्याय। जिन राष्ट्रों ने बुरे काम किए हैं, उनका न्याय किया जाएगा।

लेकिन परमेश्वर इन सबके बीच भी अपने लोगों को याद रखेगा और उन्हें एक बार फिर अपने प्यार में दृढ़ करेगा। ओबद्याह का अंत। कितना शक्तिशाली व्यक्ति।

श्लोक 18, याकूब का घराना आग होगा और यूसुफ का घराना ज्वाला। तो, वह जो कह रहा है वह यह है कि परमेश्वर के वाचा के लोग, मानो, मशाल बनने जा रहे हैं। और अंत में कौन जलेगा? एसाव के घराने को भूसे से दर्शाया गया है।

और वे बिना किसी जीवित बचे हुए भस्म हो जाएंगे। अब, पवित्रशास्त्र में, विशेष रूप से भविष्यवक्ताओं में, दिलचस्प विषय यह है कि परमेश्वर हमेशा एक पवित्र अवशेष को संरक्षित करने के बारे में चिंतित रहता है। इसका विपरीत एसाव है।

एसाव के घराने में कोई जीवित नहीं बचेगा। लेकिन यहाँ छोटे ओबद्याह की आखिरी आयत कहती है, इस्राएल की भूमि में कुछ लोग बचे रहेंगे। और वे सिय्योन पर्वत पर चढ़ जाएंगे।

फिर से ध्यान दें, ऊपर जाने वाला आखिरी शब्द। बाइबल में आखिरी शब्द है ऊपर जाना। और आपको ऊपर जाने वाले शब्द को सुनते रहना है।

अगर आप बोस्टन में फोन डायरेक्टरी देखें तो वहाँ एक ऊपर जाने वाला केंद्र है। यह हिब्रू क्रिया है, अल्लाह, ऊपर जाने के लिए। आप सिय्योन तक जाते हैं और यह एक कोड वर्ड है।

यरूशलेम तक जाने के लिए, समुद्र तल से 2600-2700 फीट ऊपर। आप हमेशा ऊपर चढ़ते हैं। जब आप इज़राइल से बाहर निकलते हैं और वापस प्रवासी समुदाय में जाते हैं, तो आप सचमुच योर्डिम में से एक होते हैं।

वे लोग जो नीचे उतरते हैं, वे जो नीचे जाते हैं। आप शारीरिक रूप से ऐसा करते हैं, लेकिन साथ ही, एक तरह से आपकी हैसियत भी नीचे चली जाती है, क्योंकि दुनिया में एक जगह ऐसी है जो किसी भी दूसरी भूमि से बेहतर है, जहाँ फल ज़्यादा मीठे हैं, जहाँ हवा साफ़ है, जैसा कि रब्बी यरूशलेम की खुशियों के बारे में बताते हैं।

जब भी मैं अपना हेशेल सेमिनार पढ़ाता हूँ, जो मैं अगली शरद ऋतु में फिर से करूँगा, मैं छात्रों को हेशेल द्वारा लिखित इज़राइल, एन इको ऑफ़ इटरनिटी पढ़ने के लिए कहता हूँ। जहाँ वे कुछ रब्बी साहित्य के बारे में बताते हैं और बताते हैं कि कैसे रब्बियों ने सैकड़ों वर्षों के निर्वासन के बाद भी उस भूमि पर चिंतन किया। वे उस भूमि को अपना घर मानते थे और वह स्थान जहाँ वे वापस लौटना चाहते थे।

और इसलिए, यह विचार, वे सिय्योन पर्वत पर चढ़ जाएंगे। और ये सभी अन्य राष्ट्र जिनके साथ इस्राएल ने अपने पूरे इतिहास में झगड़ते हुए संघर्ष किया था, परमेश्वर के राज्य की सीमाएँ, उसका राज्य एक सार्वभौमिक राज्य है। वह समुद्र से समुद्र तक शासन करेगा और शासन करेगा।

और पूरी धरती पर परमेश्वर के शासन का यह विस्तृत विचार। और इसलिए अंतिम वचन है, ये लौटे हुए निर्वासित लोग शासन करेंगे। प्रभु सब पर राजा होगा।

जैसा कि प्रकाशितवाक्य इस विषय को उठाता है जिसे आप भविष्यवक्ताओं में देखते हैं। इसका एक उदाहरण प्रकाशितवाक्य 11:15 है। स्वर्ग में ऊँची आवाज़ें सुनाई दे रही थीं, जो कह रही थीं, दुनिया का राज्य हमारे प्रभु और उनके मसीह का राज्य बन गया है, और वह हमेशा-हमेशा के लिए राज्य करेगा। ऐसा लगता है कि इसने एक ऐसे व्यक्ति को प्रभावित किया जिसने मसीहा नामक एक गीत लिखा।

श्रीमान हैंडल। तो, कैमरे का लेंस बाहर चला जाएगा, और राज्य प्रभु का होगा। और ये दुश्मन जो इस्राएल को घेरे हुए हैं, इस्राएल उन पर कब्ज़ा करने आ रहा है।

इसलिए, पद 19 और 20 इस बारे में बात करते हैं कि कैसे उत्तर और दक्षिण में परमेश्वर के राज्य की सीमाओं को बहाल किया जाएगा। और इन चार दिशाओं में इस्राएल की बहाली की पूर्णता व्यक्त की जाएगी। संदेश ऐसे विषय या उद्देश्य हैं जो कालातीत हैं और जो इस छोटी सी पुस्तक से निकलते हैं।

मैंने उनमें से ज़्यादातर पर बात की है। एक है घमंड। मुझे कौन गिराएगा? फिर से, एदोम का आत्मविश्वासी घमंड आयत 2-4 में है।

वह पेट्रा पर भरोसा करती है। शास्त्र कहता है, नहीं, ज़ूर पर भरोसा करो। चट्टान पर भरोसा करो।

आराधनालय में, मूल गीत, रॉक ऑफ एजेस, गाया जाता है। जब मैं छात्रों को आराधनालय में ले जाता हूँ, और देखता हूँ कि लोग प्रार्थना में रॉक ऑफ एजेस गा रहे हैं, तो मैं कहता हूँ, यह मूल रॉक ऑफ एजेस है। हिब्रू बाइबिल में, यहोवा अपने लोगों के लिए एक चट्टान है।

वह एक किला है। और इसलिए पेट्रा वह नहीं है। वे अपने भविष्य को लेकर बहुत आश्वस्त थे।

बहुत ऊंचा। और गर्व लोगों को ऊंचा उठाता है। बाइबल में व्यक्तिगत उत्कर्ष को व्यक्त करने के तरीकों में से एक हिब्रू क्रिया नासा के माध्यम से है, जिसका शाब्दिक अर्थ है खुद को ऊपर उठाना।

यह वही है जिसे ग्रीक भाषा में फिरौन कहते हैं। ऊपर उठाना, सहना या ले जाना। और हिब्रू बाइबिल में इसका इस्तेमाल सातवें तने में खुद को ऊंचा उठाने, खुद को ऊपर उठाने, खुद को गर्व से फुलाने के लिए किया जाता है।

एदोम का मामला भी ऐसा ही था। आत्म-प्रशंसा। और यह विषय शास्त्र में बार-बार आता है, खास तौर पर फिरौन और अब एदोम के मामले में, सर्वशक्तिमान के सामने निंदनीय है।

एक और विषय भाईचारे की कमी है। हम परिवार हैं बाइबल के संदेशों में से एक है। और अगर आप वास्तव में यहूदी लोगों को समझना चाहते हैं, तो आपको परिवार की अवधारणा को समझना होगा।

सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यहूदी एक परिवार हैं। अगर आज इजरायल में एक भी यहूदी मरता है, तो दुनिया भर के यहूदी उसका दर्द महसूस करेंगे क्योंकि वहां सामूहिक एकजुटता है। एक अर्थ में हम 1 कुरिन्थियों 12 के अर्थ में एक साथ उस दर्द को महसूस करते हैं, जहां पॉल ने 1 कुरिन्थियों 12 को उस अवधारणा पर बनाया है जो हमें हिब्रू बाइबिल में मिलती है।

जब समुदाय का एक सदस्य पीड़ित होता है, तो हम सभी पीड़ित होते हैं। जब कोई खुश होता है, तो हम सभी मिलकर उस खुशी को साझा करते हैं। यहाँ लूटे जाने पर यहूदा की सहायता करने में विफलता, जैसा कि ओबद्याह ने एदोम को खड़े हुए दर्शाया है।

यहाँ यह छोटी सी किताब दूसरों की समस्या में शामिल न होने की भावना को फटकारती है। एक और विषय यह है कि यह किताब उन लोगों की भावना को फटकारती है जो दूसरों के दुर्भाग्य में दुखवादी खुशी पाते हैं। जैसा कि श्लोक 12 में कहा गया है, अपने दुर्भाग्य पर खुश होना।

आपको अपने भाई के दुर्भाग्य के दिन पर गर्व नहीं करना चाहिए था। आप जानते हैं कि रब्बियों ने क्या कहा? हम इस घटना को बुधवार की रात से एक सप्ताह तक मनाएंगे जब हम अपने समुदाय के अंतर-धार्मिक फसह को एक साथ मनाएंगे। आइए इसे जीएं।

हम आज़ाद हैं। और यहाँ गाना-बजाना और नाचना-गाना होता है। और इसका एक उचित पक्ष भी है।

सुफ़, रीड सागर के पानी से बचाया, तो वे सूखी ज़मीन पर आ गए। वहाँ स्वर्ग के स्वर्गदूतों का एक चित्र है जो वहाँ गा रहे हैं और आनन्द मना रहे हैं।

मुझे नहीं पता कि वह मूल हल्लेलुया कोरस था या नहीं। मुझे लगता है कि अगर आप 400 साल से अटके हुए हैं, तो आप भी गाना चाहेंगे। लेकिन भगवान कहते हैं, शांत हो जाओ।

संगीत बंद कर दो। जब तुम्हारा दुश्मन मर जाता है तो तुम बहुत खुश नहीं होते। तुम्हारा दुश्मन भी भगवान की छवि में बना है।

इसलिए फिरौन की मौत के इस विजय उत्सव में भी, बहुत ज़्यादा खुश न हों। अपने जश्न में संयम बरतें। यह एक दिलचस्प अवधारणा है कि आप अपने दुश्मन के विनाश से बहुत ज़्यादा प्रभावित न हों।

यहाँ तक कि इस्राएल के भविष्यद्वक्ता भी कहते हैं कि इस्राएल के शत्रु वास्तव में इस्राएल के परमेश्वर द्वारा बनाए गए हैं, लेकिन वे इस्राएल के परमेश्वर को उस तरह से नहीं जानते जिस तरह से उसके वाचा के लोग जानते हैं। इसलिए, दूसरे के दुर्भाग्य में दुखवादी खुशी खोजने का विषय है। एक और विषय राष्ट्रों की अजेयता का है।

यह वास्तव में एक भ्रम है। मुझे याद है कि जब मैं किशोर था, तब रूस के प्रमुख ने टेलीविजन पर जाकर अमेरिकियों से कहा था, हम तुम्हें दफना देंगे। मुझे याद है कि किशोरावस्था में मुझे यह बात कितनी परेशान करने वाली लगी थी।

इस आदमी ने दावा किया कि वह हमें एक राष्ट्र के रूप में दफना देगा। खैर, यह बहुत परेशान करने वाली बात है। मैंने खुद से कहा, मैं कभी वयस्क नहीं हो पाऊँगा।

रूस का यह मुखिया अमेरिका को नष्ट करने जा रहा है। अब हमारे पास एक अमेरिकी राष्ट्रपति है जो आकर उन्हें दुष्ट साम्राज्य कहता है। इन लोगों को कौन नीचे ला सकता है? लेकिन राष्ट्रों की अजेयता का यह विचार एक भ्रम है।

जैसा एदोम ने किया था, वैसा ही उसके साथ भी होगा। मुर्गियाँ घर लौटकर आती हैं। जैसा कि श्लोक 15 में कहा गया है।

जैसा आपने दूसरों के साथ किया है, वैसा ही आपके साथ भी होगा। आपके कर्म बूमरैंग की तरह होंगे। और अगर आपको नहीं पता कि बूमरैंग क्या होता है, तो यह आयत 16 का आधुनिक लिविंग बाइबल अनुवाद है।

मैं लिविंग बाइबल के उद्धरणों का इस्तेमाल करता हूँ। आपके कर्म उलटे पड़ेंगे। वे आपके ही सिर पर वापस आएंगे।

या फ़िडलर ऑन द रूफ की एक बेहतरीन पंक्ति। हवा में थूको, और वह तुम्हारे चेहरे पर वापस आ जाएगी। अब मैं हबक्कूक के बारे में कुछ परिचयात्मक बातें बताना चाहूँगा।

सबसे पहले, इस लड़के का नाम तीन k से लिखना मत भूलना। हाँ। हाँ।

जैसे को तैसा। निश्चित रूप से, यह एक अच्छा सवाल है। उद्धार के इतिहास के संदर्भ में परमेश्वर इस विशेष मामले में काम करता है।

उसके पास एक वाचा परिवार और एक वाचा लोग हैं जिनके साथ वह काम कर रहा है। और इसलिए, इतिहास की स्पष्ट रूप से व्याख्या इस प्रकाश में की जाती है कि परमेश्वर के वाचा लोग हमेशा हर चीज में पास नहीं होते। वास्तव में, यह उनकी समस्या का एक हिस्सा था।

उन्हें लगा कि वे छूट के हकदार हैं क्योंकि वे परमेश्वर के लोग हैं। और परमेश्वर उन्हें निर्वासित नहीं करेगा। भविष्यवक्ता निश्चित रूप से इस तरह से आलोचनात्मक थे।

बाइबल जिस तरह से आपके सवाल का जवाब देती है, वह शुरू से ही है: एदोमी लोग परमेश्वर के वाचा प्रेम में नहीं थे क्योंकि उन्होंने चीजों को अस्वीकार कर दिया था। और अपने खुद के जन्मसिद्ध अधिकार को दाल के सूप के लिए बेचने के मामले में, यही वह तस्वीर है जो हमें एसाव

की शुरुआत में मिलती है। तो, एक तरह से, छोटे ने बड़े पर विजय प्राप्त की क्योंकि उसने अपने निर्णय से चीजों को खुद ही स्थापित किया था।

और उसके बाद जिस तरह से नाटक चलता है, ऐसाव उस व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है जिसे अस्वीकार कर दिया गया था। और याकूब, अपने कुश्ती मैच और अपनी सभी अन्य समस्याओं के बावजूद, ऐसा लगता है कि परमेश्वर ही वह था जो उसके साथ काम कर रहा था। मुझे लगता है कि इस सब में एक जटिलता भी है।

और हम कभी-कभी चाहते हैं कि जीवन में संतुलन बना रहे। आप जानते हैं, अमेरिका अच्छे और बुरे से बना है। आधुनिक इज़राइल राजनीतिक और सैन्य रूप से अच्छे और बुरे निर्णयों से बना है।

फिलिस्तीनी लोग सभी बुरे नहीं हैं। वे अच्छे निर्णय लेते हैं। और उनके कई नेता ऐसे भी रहे हैं जो उनके लिए अच्छे नहीं रहे।

वे अभी भी अच्छे नेतृत्व की तलाश में हैं जो बातचीत कर सके और शांतिपूर्ण मध्य पूर्व के लिए समाधान निकाल सके। इसलिए, यह एक बहुत ही जटिल प्रकार का समीकरण है। लेकिन बाइबल में निश्चित रूप से ईश्वर की योजना को कार्यान्वित करने के मामले में पूर्वाग्रह और पक्षपात है।

और जब बाइबल भविष्यवक्ताओं के शब्दों में इस्राएल के लिए उसकी आँख की पुतली के रूप में शब्द का उपयोग करती है, या जैसा कि यशायाह कहते हैं, मेरी आँख की पुतली जकार्याह में है। यशायाह इस्राएल के बारे में कहता है, तू मेरी हथेली पर अंकित है। बहुत शक्तिशाली भाषा।

ऐसा लगता है कि परमेश्वर के दृष्टिकोण से, उसके पास उसका पसंदीदा है, और उसके रहस्यमय चुनाव प्रेम में, अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए इन बहुत ही दोषपूर्ण लोगों का उपयोग करने का उसका चुनाव महान रहस्यों में से एक है। मानवीय दृष्टिकोण से, हमारे दृष्टिकोण से, हम धार्मिकता की डिग्री जोड़ना चाहते हैं और कहते हैं, ठीक है, मैं देख सकता हूँ कि परमेश्वर उस व्यक्ति के माध्यम से कैसे काम कर सकता है क्योंकि, उनके पाठ्यक्रम विवरण को देखें। वे बहुत अच्छे लगते हैं।

इस्राएल के पास प्रसिद्धि का कोई दावा नहीं था। और फिर भी परमेश्वर ने उनका इस्तेमाल किया। और मुझे लगता है कि इसका एक हिस्सा राष्ट्रों को भ्रमित करना है।

और भगवान महत्वहीन और अस्पष्ट के साथ क्या कर सकते हैं। आप जानते हैं, अगर मैं इसे एक इतिहासकार के रूप में देखता हूँ, तो मैं कहूँगा कि भगवान को मेसोपोटामियावासियों को चुनना चाहिए था। उन्होंने वर्गमूल का आविष्कार किया।

सुमेरियन। उर में हम जिस उन्नत संस्कृति को जानते हैं, उसे देखिए। हमारे पास एक वृत्त में 360 डिग्री हैं।

60 मिनट से एक घंटा। यह बेबीलोनियों की वजह से है। उनके पास यह हेक्साडेसिमल प्रणाली है।

वे उन्नत थे। या मिस्रवासियों को देखिए। वे शरीररचना विज्ञान और शरीरक्रिया विज्ञान में अग्रणी थे।

मैं कहूंगा, उन महान पिरामिडों को देखिए जो अब्राहम के जन्म से पहले ही बनाए गए थे। लड़के, अगर कोई ऐसा राष्ट्र है जो प्राचीन दुनिया में प्रभावशाली रहा होगा, तो वह चरवाहों का यह असभ्य समूह नहीं था जो 400 साल तक गुलाम रहे। और फिर भी, गुलामी खत्म होने के 50 दिन बाद, भगवान एक रहस्योद्घाटन देते हैं जो सचमुच इतिहास के पूरे पाठ्यक्रम को बदल देगा।

जब परमेश्वर एक चरवाहे को लेता है जो 40 साल तक अपने ससुर के लिए भेड़ों की रखवाली करता रहा और उसे पूरे राष्ट्र के लिए रहस्योद्घाटन देता है। मेरा मतलब है, वह कोई कुलीन नहीं था। यह एक स्तर पर दुनिया को हैरान करता है।

पीछे देखना हमेशा भविष्य की सोच से बेहतर होता है। यह तो पक्का है। लेकिन बाइबल के इस्राएल के लिए उद्देश्य और ईसाई अनुभव के बारे में जो सच है, वह मुझे लगता है।

जैसा कि पॉल ने कहा है, जिसे परमेश्वर ने बुलाया है, वह भी ऐसा ही करेगा। मुझे नहीं लगता कि ईसाई जीवन में यह वास्तव में जटिल है। परमेश्वर का बुलावा उन उपहारों के बराबर है जो परमेश्वर आपको वह करने के लिए देता है जो आपको करना चाहिए।

यह बिलकुल सरल है। यह कोई बड़ा रहस्य नहीं है। लेकिन अगर आपको सच में बुलाया गया है, तो ईश्वर ही सक्षमकर्ता है, आप नहीं।

और मुझे लगता है कि इसराइल के मामले में, इसराइल को इसलिए नहीं चुना गया क्योंकि वह खास था। वह इसलिए खास था क्योंकि परमेश्वर ने उसे अपने रहस्यमय प्रेम और योजना में चुना था। और अन्य राष्ट्रों को उसका सम्मान करना सीखना होगा।

मुझे आपको यह बताते हुए दुख हो रहा है कि ईसाई चर्च को इस सत्य को समझने में लगभग 2,000 साल लग गए। और पिछले 25 सालों में लगभग हर प्रमुख संप्रदाय ने व्यक्तिगत रूप से क्षमा याचना की है, जिसमें यहूदी लोगों के बारे में अपराध, पश्चाताप, दृष्टिकोण में बदलाव की घोषणा की गई है। इसलिए जब परमेश्वर के लोग, चर्च, यह नहीं पहचान पाते कि यहाँ क्या हो रहा है, तो हम महसूस करते हैं कि यह कितना मुश्किल है।

हम इसे हमेशा नहीं समझ सकते, लेकिन यह मौजूद है। अब, हबक्कूक की यह छोटी सी किताब एक थियोडिसी है। हबक्कूक का नाम शायद एक मूल शब्द से आया है जिसका अर्थ है पकड़ना या गले लगाना।

हिरोनिमस, जिन्होंने मध्य युग के दौरान एक हजार साल तक सबसे महान बाइबल लिखी, संत जेरोम जैसा कि हम उन्हें जानते हैं। आप में से कुछ लोग उस गुफा में गए होंगे जहाँ उन्होंने

संभवतः बेथलेहम में वुलोट का निर्माण किया था जहाँ वे रब्बियों से हिब्रू सीखने आए थे। जेरोम ने कहा कि हबक्कूक को गले लगाने वाला, गले लगाने वाला कहा जाता था।

और इससे हम इस विचार पर पहुँचते हैं कि वह परमेश्वर के साथ कुशती लड़ रहा है। और इस छोटी सी किताब में एक बड़ी समस्या के साथ कुशती लड़ी गई है। हबक्कूक के लिए समस्या एक उलझी हुई दुनिया में ईश्वरीय न्याय है।

थियोडिसी। अब, एक संपूर्ण अंग्रेजी शब्दकोश में केवल सात या आठ प्रविष्टियाँ हैं जो थियो से शुरू होती हैं। उनमें से कुछ क्या हैं? धर्मशास्त्र सबसे स्पष्ट है।

ईश्वर का अध्ययन। ईश्वर का प्रत्यक्षीकरण, प्रकटीकरण, उपस्थिति, किसी प्रकार के मूर्त रूप में ईश्वर का दृश्यमान अस्थायी प्रकटन। कुछ ईश्वरीय दर्शन।

अन्य कौन से धर्म हैं? राजतंत्र तक, यह क्या था? ईश्वर का शासन, ईश्वर द्वारा शासन। ईश्वरतंत्र। 1960 के दशक में, धर्मशास्त्र का एक नया स्कूल पैदा हुआ।

आज हम इसके बारे में ज़्यादा बात नहीं करते, लेकिन इसे थियोथेनाटोलॉजी कहा जाता था। धर्मशास्त्र। ईश्वर मर चुका है धर्मशास्त्र।

उस समय हमारे पास तथाकथित ईश्वर मर चुका है धर्मशास्त्री थे। मुझे टाइम पत्रिका में दार्शनिक नील्शे के बारे में एक पत्र पढ़ना याद है। ईश्वर मर चुका है, नील्शे के हस्ताक्षर।

नील्शे मर चुका है, भगवान पर हस्ताक्षर किए हैं। ऐसे बहुत से लोग हैं जिन्हें भगवान से परेशानी है, लेकिन इस पर अंतिम निर्णय किसी और को लेना है। हमारे पास ऐसे कुछ लोग हैं।

थियोडिसी ईश्वर के न्याय के इस प्रश्न से जूझता है। और यह एक संवाद है। वह प्रश्न पूछता है, उत्तर लेकर आता है।

सवाल, और फिर भगवान जवाब के साथ वापस आते हैं। यह हमेशा वह जवाब नहीं होता जो हबक्कूक चाहता था, लेकिन यहाँ निष्कर्ष में मैं एक अद्भुत बात कहना चाहूँगा। हम अपने यहूदी दोस्तों से सीखते हैं कि भगवान ईमानदार सवालों का सम्मान करते हैं।

और ईश्वर से सवाल करने का यह विचार वर्जित क्षेत्र नहीं है। वास्तव में, यह बाइबिल विद्वत्ता के प्रति वही दृष्टिकोण है जो यहूदी समुदाय ने दुनिया को दिया। जब बाइबिल विद्वत्ता यूनानियों के हाथों में चली गई, तो दुख की बात है कि यह प्रणाली बाइबिल विद्वत्ता का समाधान बन गई, जहाँ सत्य के प्रति योजनाबद्ध दृष्टिकोण में सब कुछ व्यवस्थित रूप से रखा गया है।

सत्य के प्रति हिब्रू दृष्टिकोण पाठ के साथ संवादात्मक जुड़ाव द्वारा है। इसे रब्बी मिद्राश या टिप्पणी कहते हैं, जहाँ रब्बी हिलेल यह कहते हैं, और रब्बी शम्माई वह कहते हैं, या रब्बी फलां यह कहते हैं, और रब्बी फलां वह कहते हैं। और इस तरह आगे-पीछे, एक-दूसरे से सवाल

पूछकर, आप चर्चा का एक ईमानदार प्रवाह बनाए रखते हैं, जिससे अर्थ की कई परतें सामने आती हैं।

बाइबल पढ़ना एक शब्द के उत्तर के साथ आने की तुलना में प्याज को छीलने जैसा है। ऐसी कई आवाज़ें हैं जो हमें बाइबल के पाठ में सुंदरता, गहराई और सोच की संभावनाओं को समझने में मदद करती हैं। इसलिए, सादा और सरल या सीधा पश्चात अर्थ शुरू करने का एक स्थान हो सकता है, लेकिन यह, रब्बियों के लिए, हमेशा पाठ के अर्थ को समाप्त नहीं करता था।

दरअसल, वे कह रहे थे कि परमेश्वर शायद अन्य बातों को प्रकट कर रहा है। और इसलिए, हमें पीढ़ी दर पीढ़ी इस बातचीत को जारी रखना चाहिए, नए सिरे से खोज करनी चाहिए, पवित्रशास्त्र को कभी भी एक कलाकृति या विरासत के रूप में स्वीकार नहीं करना चाहिए, बल्कि प्रत्येक नई पीढ़ी के लिए इसे एक बार फिर से अपनाना चाहिए, क्योंकि प्रत्येक नई पीढ़ी नए सवाल पूछती है। ठीक है, आज के लिए बस इतना ही।

यह डॉ. मार्व विल्सन द्वारा भविष्यवक्ताओं पर दी गई शिक्षा है। यह सत्र 20, ओबद्याह, भाग 2, और फिर हबक्कूक है।